DRAFT

National Education Policy- 2020

Common Minimum Syllabus for Uttarakhand State

Universities and Colleges

Four Year Undergraduate Programme-

FYUP/Honours Programme/Master in Arts

PROPOSED STRUCTURE FOR FYUP/MASTER'S

SANSKRIT SYLLABUS

W.e.f. 2025-26

DEPARTMENT OF SANSKRIT

संस्कृत विभाग

कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल (उत्तराखण्ड)

पत्रांक– SAN / 01 दिनांक– 12.06.2025

सेवा में,

सङ्कायाध्यक्ष कला महोदय,
डी0एस0बी0 परिसर,
कुमाँऊ विश्वविद्यालय, नैनीताल (उत्तराखण्ड)।

विषय– अनुमोदनार्थ पाठ्यक्रम के सम्बन्ध में।

महोदय,

आपके कार्यालय पत्रांक–दिनांक–11.06.2025 के क्रम में संस्कृत विभाग की बी0ओ0एस0 (पाठ्यक्रम समिति की बैठक) दिनांक– 11.06.2025 को कुमाँऊ विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में सम्पन्न की गयी जिसमें बाह्यविषय विशेषज्ञों की उपस्थिति में पाठ्यक्रम को अनुमोदनार्थ संस्तुति की गयी है।

अतः महोदय सम्पूर्ण पाठ्यक्रम वाञ्छित क्रम से सॉफ्ट कापी ई–मेल पर (deanarts@kunainital.ac.in) प्रेषित की जा रही है।

सादर

भवदीया
संयोजक पाठ्यक्र समिति /
अध्यक्ष संस्कृत विभाग
डी0एस0बी0 परिसर, नैनीताल।

DRAFT
National Education
Policy-2020
Common Minimum Syllabus for all Uttarakhand State Universities and Colleges for five Years of Higher Education
PROPOSED STRUCTURE OF UG &PG SANSKRIT SYLLABUS
2025

Syllabus checked and modified by:

S.N.	Name	Designation	Department	Affiliation
1.	DR. SOMVEER SINGHAL Mob. 9910286703 Meeting- 18,19 December- 2024	ASSOCIATE PROFESSOR	SANSKRIT, UNIVERSITY OF DELHI	UNIVERSITY OF DELHI
2.	PROF. GIRISH CHANDRA PANT Mob- 9717652577 Meeting- 27 March- 2025	PROFESSOR	SANSKRIT, JAMIYA MILLIYA SLAMIYA UNIVERSITY, DELHI	JAMIYA MILLIYA SLAMIYA UNIVERSITY, DELHI
3.	PROF. C. UPENDER RAO Mob- 9818969756 Meeting- 25 April- 2025, 2,3 MAY-2025	PROFESSOR	SANSKRIT, J.N.U. NEW DELHI	J.N.U. NEW DELHI
4.	PROF. RAJNISH MISHRA Mob- 9910066499 Meeting- 25 April- 2025, 2,3 MAY-2025	PROFESSOR	SANSKRIT, J.N.U. NEW DELHI	J.N.U. NEW DELHI
Date- 11-06-2025 Held- B.O.S. Sanskrit, Experts Name				
1.	Prof. Ramesh chandre Pandey Ex- VC Mob- 9810207063	PROFESSOR	Center University of Sanskrti	Center University New Delhi
2.	PROF. GIRISH CHANDRA PANT Mob- 9717652577	M.M.T.T.C. PROFESSOR	SANSKRIT, JAMIYA MILLIYA SLAMIYA UNIVERSITY, DELHI	JAMIYA MILLIYA SLAMIYA UNIVERSITY, DELHI
3.	Prof. Ranjan Kumar Tripathi Mob- 8527619593	PROFESSOR	Delhi University Delhi	Delhi University Delhi

Syllabus Preparation by Faculty Members				
S.N.	**Name**	**Designation**	**Department**	**Affiliation**
1.	PROF. JAYA TIWARI	PROFESSOR	CONVINER OF SANSKRIT	D.S.B. CAMPUS KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
2.	PROF. SHALIMA TABASSUM	PROFESSOR	CONVINER OF SANSKRIT	SOBAN SINGH JEENA, ALMORA UNIVERSITY
3.	PROF. KAMALA PANT	PROFESSOR	H.O.D. SANSKRIT	MBPG COLLEGE HALDWANI
4.	PROF. POONAM PATHAK	PROFESSOR	CONVINER OF SANSKRIT	SHRIDEV SUMANA UNIVERSITY, RISHIKESH
5.	DR. MAYA SHUKLA	ASSOCIATE PROFESSOR	H.O.D. SANSKRIT	P.G. COLLEGE, RAMGARH
6.	DR. LAJJA BHATT	ASSOCIATE PROFESSOR	SANSKRIT	D.S.B. CAMPUS KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
7.	DR. NEETA ARYA	ASSISTANT PROFESSOR	SANSKRIT	D.S.B. CAMPUS KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
8.	DR. NEERAJ JOSHI	ASSISTANT PROFESSOR	SANSKRIT	UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI
9.	DR. PRADEEP KUMAR	ASSISTANT PROFESSOR (CONTRECET)	SANSKRIT	D.S.B. CAMPUS KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL
10.	DR. SHUSHMA JOSHI	ASSISTANT PROFESSOR (CONTRECET)	SANSKRIT	D.S.B. CAMPUS KUMAUN UNIVERSITY, NAINITAL

……………………………………………………………………..……………0……………………….……………………..……………………………

बहुविषयक अध्ययन पाठ्यक्रमों हेतु स्नातक/परास्नातक पाठ्यक्रमों की रूपरेखा एवं प्रारूप (संस्कृत विषय का पाठ्यक्रम)									
Year	Sem.	Core (DSC) Credite 4	Electives (DSE) Credite 4	General Electives (GE) Credite 4	Ability Enhancement Course (AEC) Credite 2	Skill Enhancement Course (SEC) Credite 2	Internship/ Apprentice ship/Project/Community Outreach (IAPC) Credite 4	Value Addition Course (VAC) Credite 2	Total Credite
UndergraduateCertificate/ Diploma/ Bachelor of in Multidiscplinary Study-SANSKRIT									
I	I	संस्कृत नीतिसाहित्य एवं व्याकरण	x	श्रीमद्भगवद्गीता में आत्मप्रबन्धन			x	-	
	II	संस्कृतमहाकाव्य, छन्दोऽलंकार एवं नाटक	x	श्रीमद्भगवद्गीता में कर्मयोग			x	-	
II	III	संस्कृतसाहित्य, भारतीयसंस्कृति एवं व्याकरण	उपनिषद् एवं पुराण	संस्कृतसाहित्य में मानवीयमूल्य			x	-	
	IV	संस्कृतसाहित्य,साहित्यकार परिचय एवं निबन्ध	स्मृति एवं स्तोत्रकाव्य	संस्कृत साहित्य में बोधिचित्त			x	-	
III	V	काव्यशास्त्र, दर्शन एवं व्याकरण	भारतीय दर्शन	संस्कृतसाहित्य में राष्ट्रीय चेतना	x		जनपद में संस्कृतभाषा का प्रभाव : सर्वेक्षण		
	VI	वैदिकवाङ्गमय का अध्ययन	उपनिषद् साहित्य	स्वास्थ्य–विज्ञान	x		पाण्डुलिपि विज्ञान		

List of all Papers in Ten Semester Semester-wise Titles of Papers in SANSKRIT					
UndergraduateCertificatein Multidiscplinary Study-SANSKRIT					
Year	**Sem.**	**Course Code**	**Paper Title**	**Theory/ Practical**	**Credite**
First Year	I	DSC 1	संस्कृत नीतिसाहित्य एवं व्याकरण	Theory	4
		GE 1	श्रीमद्भगवद्गीता में आत्मप्रबन्धन	Theory	4
	II	DSC 2	संस्कृतमहाकाव्य,छन्दोऽलंकार एवं नाटक	Theory	4
		GE 2	श्रीमद्भगवद्गीता में कर्मयोग	Theory	4
UndergraduateDiploma in Multidisciplinary Study-SANSKRIT					
Second Year	III	DSC 3	संस्कृतसाहित्य, भारतीयसंस्कृति एवं व्याकरण	Theory	4
		DSE 1	उपनिषद् एवं पुराण	Theory	4
		GE 3	संस्कृतसाहित्य में मानवीयमूल्य	Theory	4
	IV	DSC 4	संस्कृतसाहित्य,साहित्यकार परिचय एवं निबन्ध	Theory	4
		DSE 2	स्मृति एवं स्तोत्रकाव्य	Theory	4
		GE 4	संस्कृत साहित्य में बोधिचित्त	Theory	4
Bachelor of in Multidisciplinary Study-SANSKRIT					
Third Year	V	DSC 5	काव्यशास्त्र, दर्शन एवं व्याकरण	Theory	4
		DSE 3	भारतीय दर्शन	Theory	4
		GE 5	संस्कृतसाहित्य में राष्ट्रीय चेतना	Theory	4
		IAPC 1	जनपद में संस्कृतभाषा का प्रभाव : सर्वेक्षण	Theory	4
	VI	DSC 6	वैदिकवाङ्गमय का अध्ययन	Theory	4
		DSE 4	उपनिषद् साहित्य	Theory	4
		GE 6	स्वास्थ्य–विज्ञान	Theory	4
		IAPC 2	पाण्डुलिपि विज्ञान	Theory	4

COURSE INTRODUCTION

Programme outcomes (POs)	
PO1	साहित्य मानव संवेदना की अभिव्यक्ति का प्रमुख स्त्रोत रहा है। कलाओं में यह सम्पूर्ण कला है। साहित्य– समाज का दर्पण है। स्नातक उपाधि में इस विषय के चयन से विद्यार्थी वर्ग साहित्य के अध्ययन से तत्कालीन समाज एवं संस्कृति से अवगत होगें।
PO2	सहज एवं स्वाभाविक रूप से भाषा–कौशल प्राप्त कर उनमें प्रभावशाली अभिव्यक्ति की क्षमता उत्पन्न होगी।
PO3	आत्मविश्वास से युक्त एवं नेतृत्व क्षमता प्राप्त होगी।
PO4	मूल्यपरक व्यक्तित्व से युक्त होकर भारतीयता के बोध के साथ वैश्विक नागरिक के रूप में भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे।
PO5	विद्यार्थी संघ लोक सेवा आयोग एवं प्रादेशिक लोक सेवा आयोगों के परीक्षा पाठ्यक्रम में सम्मिलित संस्कृतसाहित्य की आधार एवं अनिवार्य शिक्षा प्राप्त कर सकेगें।
PO6	विद्यार्थियों को लेखन, वाचन एवं अध्ययन की दृष्टि से भाषागत दक्षता प्राप्त हो सकेगी।
PO7	व्याकरण के अध्ययन से उच्चारण शुद्धता प्राप्त होगी जिससे ग्रन्थों के पठन–पाठन में दक्षता मिलेगी।
PO8	भारतीय ज्ञान परम्परा के अन्तर्गत विद्यार्थी हमारे प्राचीन साहित्य एवं नैतिक मूल्यों से अवगत होंगे।
PO9	भारतीय दर्शन के अन्तर्गत आस्तिक एवं नास्तिक दर्शनों से विद्यार्थी परिचित होंगे।
PO10	संस्कृत शब्द का अर्थ है संस्कार की हुई, परिमार्जित एवं शुद्धता से परिपूर्ण अतः संस्कृत भाषा के अध्ययन से साहित्यिक भाषा का सम्यक बोध हो सकेगा।
PO11	नैतिक एवं चारित्रिक दृष्टि से मूल्यवान् व्यक्तित्वधारी होकर भारतीयता के बोध के साथ वैश्विक नागरिक के रूप में भावी चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे।
Programme specific outcomes (PSOs)	
PSO1	सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा के रूप में संस्कृत भाषा के प्राचीन महत्व एवं उसकी वर्तमान प्रासंगिकता को जानने–समझने योग्य होंगे।
PSO2	संस्कृतसाहित्य की विभिन्न विधाओं (गद्य, पद्य, नाटक, व्याकरण, दर्शन, कथा इत्यादि) के सुपरिचित माध्यम से अभिव्यक्ति कौशल का विकास होगा।
PSO3	धर्म–दर्शन, आचार–व्यवहार, नीतिशास्त्र एवं भारतीय संस्कृति के मूल तत्वों को जानकर उत्तम चरित्रवान् एवं कुशल नागरिक बनेगें।
PSO4	समसामयिक समस्याओं के समाधान के रूप में संस्कृत साहित्य में निबद्ध सर्वाङ्गीणता के प्रति शोधपरक दृष्टि का विकास होगा।
PSO5	संस्कृतभाषा अध्ययन, सम्भाषण, से जीविकोपार्जन के योग्य हो जायेगें।
PSO6	संस्कृतसाहित्य, भारतीयसंस्कृति ,भारतीय दर्शन, संस्कृत व्याकरण आदि का बोध हो सकेगा।
Course Outcomes: (COs)	
CO1	विद्यार्थी स्नातकउपाधि पाठ्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य विषय के रूप मे साहित्यशास्त्र, दर्शन एवं व्याकरण का आधारभूत ज्ञान प्राप्त करेगें।
CO2	पाठ्यक्रम के अन्तर्गत, उपनिषद् पुराण एवं स्तोत्रकाव्य से परिचित होगें।
CO3	स्नातक उपाधि के पाठ्यक्रम में विद्यार्थी वैदिकवाङ्मय ,एवं धर्मशास्त्र का ज्ञान प्राप्त करेंगें।
CO4	पाठ्यक्रम के अन्तर्गत भारतीय ज्ञानपरम्परा के अन्तर्गत भारतीय दर्शन, एवं नीतिकथाओं के अध्ययन से विद्यार्थी का चारित्रिक उन्नयन होगा।

CO5	पाठ्यक्रम के अन्तर्गत स्मृति साहित्य का अध्ययन कर उसके महत्व से परिचित होगें।
CO6	कौटिलीय अर्थशास्त्र के अध्ययन से विद्यार्थी परिचित होगें।इस प्रकार धर्म–दर्शन, आचार–व्यवहार, नीतिशास्त्र के मूलतत्त्वों को जानकर उत्तम चरित्रवान् मानव एवं कुशल नागरिक बनेंगे। प्रस्तावित विषय–संस्कृतसाहित्य की विविध विधाओं एवं वैदिकवाङ्मय पर आधारित विषय पर लघुशोधकार्य से विद्यार्थियों की शोधपरक बुद्धि का विकास होगा। सर्वेक्षण, अन्वेषण एवं मनन–चिन्तन से उनका बौद्धिकस्तर बढेगा साथ ही समसामयिक समस्या के निदान का मार्ग भी प्रशस्त होगा।
CO7	संस्कृतभाषा के अध्ययन से विद्यार्थी अन्य भाषा के स्रोत को सरलता से समझ सकते हैं एवं संस्कृतसम्भाषण से विद्यार्थियों की वाक्शक्ति का विकास होगा।
CO8	संस्कृत महाकाव्य के अध्ययन से उनमें निहित महान् चरित्रों का अध्ययन कर आत्मसात् करेंगे एवं संस्कृत महाकाव्य मे प्रयुक्त रस, छन्द, अलंकारों के माध्यम से काव्यशास्त्रीय तत्त्वों को समझने की क्षमता प्राप्त करेंगे।
CO9	विद्यार्थी श्रीमद्भगवद्गीता के अन्तर्गत प्रतिपाद्य विषय के अध्ययन से कर्मसिद्धान्त एवं अध्यात्मज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
CO10	उपनिषद्, पुराण एवं स्तोत्रकाव्य के अध्ययन से विद्यार्थी सांस्कृतिक एवं सामाजिक चेतना से परिचित होंगे।

…………………………………………………………………………0……………………………………………………………………………

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
Discipline Specific Course	4	3	1	0		Nil

Undergraduate Certificatein Multidiscplinary Study		
Programme:- SANSKRIT	Year: I	Semester: I Paper- DSC
Course Code: DSC1	Course Title: **संस्कृत नीतिसाहित्य एवं व्याकरण**	

Course Outcomes:अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत नीतिसाहित्य से परिचित हो सकेंगे।
2. संस्कृत नीतिसाहित्य की सुगीतात्मकता का सौंदर्यबोध कर सकेंगे।
3. नीतिसाहित्य में प्रयुक्त नैतिकशिक्षा का बोध कर सकेंगे।
4. संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।
5. संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण कौशल का विकास होगा।
6. स्वर एवं व्यंजन के मूल भेद को समझ कर पृथक् अर्थावगमन की क्षमता उत्पन्न होगी।
7. स्वर, व्यंजन एवं विसर्ग संधि का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा।

Unit	**Topic**
Unit I	नीतिशतकम्– (प्रारम्भ की पाँच पद्धतियॉ)–संस्कृत नीतिसाहित्य का परिचय, भर्तृहरि का जीवनवृत्त एवं नीतिसाहित्य का योगदान, मूर्ख पद्धति, विद्वत्पद्धति, मान–शौर्य–पद्धति, अर्थपद्धति, दुर्जनपद्धति के प्रत्येक पांच–पांच श्लोकों का अर्थ एवं व्याकरणात्मक टिप्पणी।
Unit II	हितोपदेश–मित्रलाभ (प्रारम्भिक दो कथायें)–नीतिकथाओं का विकास एवं महत्त्व, श्रीनारायणपण्डित का जीवनवृत्त एवं कृतियों का परिचय, हितोपदेश की प्रथम दो कथाओं का सारांश (वृद्धव्याघ्रपथिकयोः कथा एवं मृगजम्बुकयोः कथा), अनुवाद एवं व्याकरणात्मक टिप्पणी।
Unit III	व्याकरण– संज्ञाप्रकरणम्–माहेश्वरसूत्राणि, लघुसिद्धान्तकौमुदी के संज्ञाप्रकरण से सूत्र संख्या– 1/3/3, 1/1/60, 1/3/9, 1/1/71, 1/2/27, 1/2/29, 1/2/30, 1/2/31, 1/1/8, 1/1/9, 1/1/69, 1/4/109, 1/1/7 एवं 1/4/14।
Unit IV	व्याकरण– शब्दरूप लेखन मात्र– राम, रमा, हरि, नदी, गुरु, अस्मद् एवं युष्मद्। धातुरूप– पठ्, गम्, भू, कृ, लिख्– पाँचों लकारों में लेखन मात्र– लट्, लृट्, लोट्, लङ् एवं विधिलिङ्।

Suggested Reading:

1. नीतिशतकम्, जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली।
2. नीतिशतकम्,मनोरमा हिन्दी व्याख्या सहित, ओमप्रकाश पाण्डेय, चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
3. हितोपदेश–सम्पादक डॉ0 प्रभुनाथ द्विवेदी, चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
4. हितोपदेश (मित्रलाभ)–डॉ0 कविता गौतम, युवराज प्रकाशन, आगरा।
5. हितोपदेश सं0 जीवानन्द विद्यासागर, कलकत्ता।
6. भर्तृहरिविरचितमनीतिशतकम्, व्याख्याता डॉ0 सुनीता जायसवाल, साहित्य सहचर वाराणसी2002।
7. भर्तृहरिविरचितम् नीतिशतकम्, बाबूराम त्रिपाठी (सम्पादक), महालक्ष्मी प्रकाशन,आगरा।
8. लघुसिद्धान्तकौमुदी–श्री वरदराजाचार्यकृत–'ललिता'–संस्कृत–हिन्दी टीकोपेता–डॉ0 कौशलकिशोरपाण्डेय–चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
9. लघुसिद्धान्तकौमुदी–श्री वरदराजाचार्यकृत–व्याख्याकार श्रीधरानन्दशास्त्री–चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
10. Bhartṛhari Nītiśtakam (Sanskrit), Prof. c. Upendra Rao, (extensive translation in three languages with grammatical notes and helpful exercises of 50 verses out of 100 verses on morals and ethics written by famous poet Bhartrihari in Sanskrit), Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi, 2009.

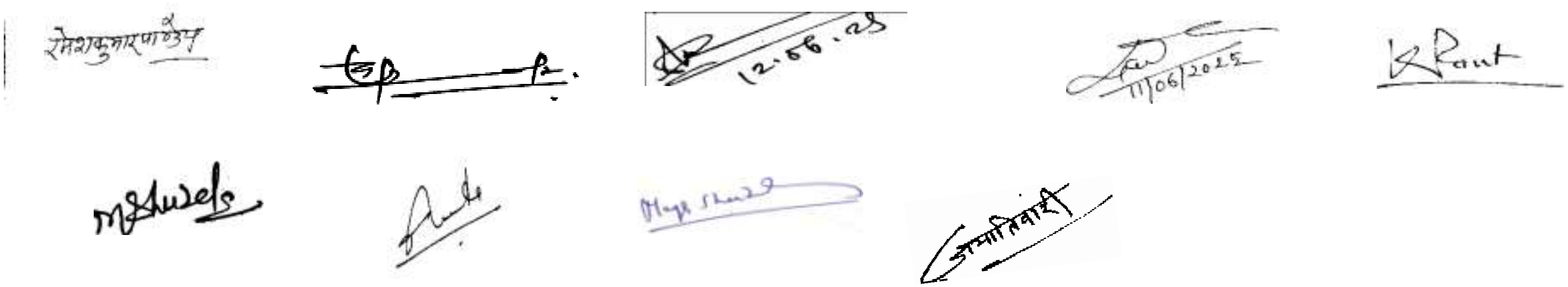

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
General Electives	4	3	1	0		Nil

Undergraduate Certificatein Multidiscplinary Study			
Programme:- SANSKRIT		Year: I	Semester:IPaper- GE II
Course Code: GE 1	Course Title: **श्रीमद्भगवद्गीता में आत्मप्रबन्धन**		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी श्रीमद्भगवद्गीता के अन्तर्गत प्रतिपाद्य विषय से अवगत हो सकेंगे।
2. श्रीमद्भगवद्गीता के माध्यम से आत्मप्रबन्धनसे अवगत होंगे।
3. मानवजीवन में आत्मप्रबन्धन को आत्मसात् करने में सक्षम होंगे।
4. विद्यार्थीआत्मप्रबन्ध के ज्ञान से प्रत्येक कार्य को सम्यक् रूप से पूर्ण कर लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे।

Unit	Topic
Unit I	महाभारत का संक्षिप्त परिचय, महर्षि वेदव्यास का परिचय, श्रीमद्भगवद्गीता का परिचय एवं प्रतिपाद्य विषय।
Unit II	श्रीमद्भगवद्गीता में वर्णित इन्द्रिय, मन, बुद्धि, आत्मा का स्वरूप तथा कार्य।
Unit III	आत्मा एवं मन की भूमिका एवं त्रिगुणों का स्वरूप एवं कार्य तथा आत्मप्रबन्धन अर्थ एवं स्वरूप।
Unit IV	आत्मप्रबन्धन अर्थ एवं स्वरूप, इन्द्रियनिग्रह अर्थ एवं स्वरूप तथा आत्मप्रबन्धन की प्रासङ्गिकता।

Suggested Reading:

1. श्रीमद्भगवद्गीता–गीता प्रेस गोरखपुर।
2. श्रीमद्भगवद्गीता हिन्दी टीकाकार–डॉ0 श्रीकृष्ण त्रिपाठी।
3. श्रीमद्भगवद्गीता (मधुसूदनी संस्कृत टीका)–श्री सनातन देव।
4. श्रीमद्भगवद्गीता–डॉ0 बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
5.गीताविज्ञानभाष्यम्–डॉ0 रामप्रकाश सारस्वत, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
6.गीता रहस्य भूमिका–बालगंगाधर तिलक, आनन्दाश्रम पूना। प्रथम संस्करण–1919।

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
Discipline Specific Course	4	3	1	0		Nil

Undergraduate CertificateHonours in Multidiscplinary Study		
Programme:- SANSKRIT	Year: I	Semester: II Paper- DSC
Course Code: DSC 2	Course Title: **संस्कृतमहाकाव्य, छन्दोऽलंकार एवं नाटक**	

Course Outcomes:अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य के विभिन्न भेदों से परिचित हो सकेंगे।
2. संस्कृत महाकाव्य के अध्ययन से उनमें निहित महान् चरित्रों का अध्ययन कर आत्मसात् करेंगे।
3. विद्यार्थी संस्कृत महाकाव्य मे प्रयुक्त रस, छन्द, अलंकारों को समझने की क्षमता प्राप्त करेंगे।
4. संस्कृत महाकाव्यों में निहित सूक्तों एवं सुभाषित वाक्यों के माध्यम से विद्यार्थियों का नैतिक एवं चारित्रिक उन्नयन होंगा।
5. संस्कृत नाटक के अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृत नाट्य साहित्य को सामान्य रूप से समझने में सक्षम होंगे।
6. नाटक की पारिभाषिक शब्दावली से सुपरिचित होंगे तथा संवाद एवं अभिनय कौशल में पारंगत होंगे।

Unit	**Topic**
Unit I	रघुवंशम्–कालिदासकृत, द्वितीय सर्ग– 01 से 40 श्लोक पर्यन्त– सस्कृत महाकाव्य का सामान्य परिचय, महाकवि कालिदास का परिचय, रचनाएं, रघुवंशपरिचय, श्लोकों की व्याख्या, काव्यगत विशेषताएं एवं समीक्षात्मक प्रश्न।
Unit II	छन्द परिचय–लक्षण एवं उदाहरण–अनुष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, वंशस्थ, बसन्ततिलका, शिखरिणी, शादूर्लविक्रीडित, मालिनी, भुजङ्गप्रयात एवं मन्दाक्रान्ता। अलंकार परिचय–(शब्दालंकार एवं अर्थलंकार)लक्षण एवं उदाहरण सहित–शब्दालंकार–अनुप्रास, श्लेष, यमक। अर्थलंकार–उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, व्यतिरेक, विभावना, विशेषोक्ति, अतिशयोक्ति।
Unit III	अभिज्ञानशाकुन्तलम्–कालिदासकृत, चौथा अंक–श्लोकों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।
Unit IV	नाट्यसाहित्य का सामान्य परिचय एवं नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दावली (दशरूपक के आधार पर)– नान्दी, प्रस्तावना, सूत्रधार, आकाशभाषित, विष्कम्भक, प्रवेशक, जनान्तिक, अपवारित, स्वगतकथन, एवं भरतवाक्य।

Suggested Reading:

1–रघुवंशम् महाकाव्यम्–सम्पा0 महावीर शास्त्री–प्रकाशन साहित्यभण्डार,सुभाष बाजार,मेरठ–250002।

2– छन्दोऽलंकार ज्ञान–डॉ0 किरण टण्डन।
3– अलंकारशास्त्र का इतिहास–डॉ0 कृष्ण कुमार।
4– वृत्तरत्नाकर–पं0 केदारभट्ट–व्याख्या प0 बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
5– साहित्यदर्पण–नवम्–दशम परिच्छेद।
6– छन्दोऽलंकार परिचय–डॉ0 लज्जा भट्ट, लक्ष्मी प्रकाशन।
7–छन्द एवं अलंकार ज्ञान–डॉ0 शालिमा तबस्सुम, ज्ञानोदय प्रकाशन, नैनीताल।
8– अभिज्ञानशाकुन्तलम्–डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, साहित्य संस्थान इलाहाबाद।
9– अभिज्ञानशाकुन्तल एक विश्लेषण–डॉ0 देवीदत्त शर्मा।
10– संस्कृत साहित्य का इतिहास–डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, ज्ञान प्रकाशन भदौही।
11– संस्कृत साहित्य का इतिहास–डॉ0 बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
12– महाकवि कालिदास–रमाशंकर तिवारी।
13– संस्कृत नाटक–ए.बी. कीथ।
14– संस्कृत नाटक–रामजी उपाध्याय।
15–छन्दोमञ्जरी–

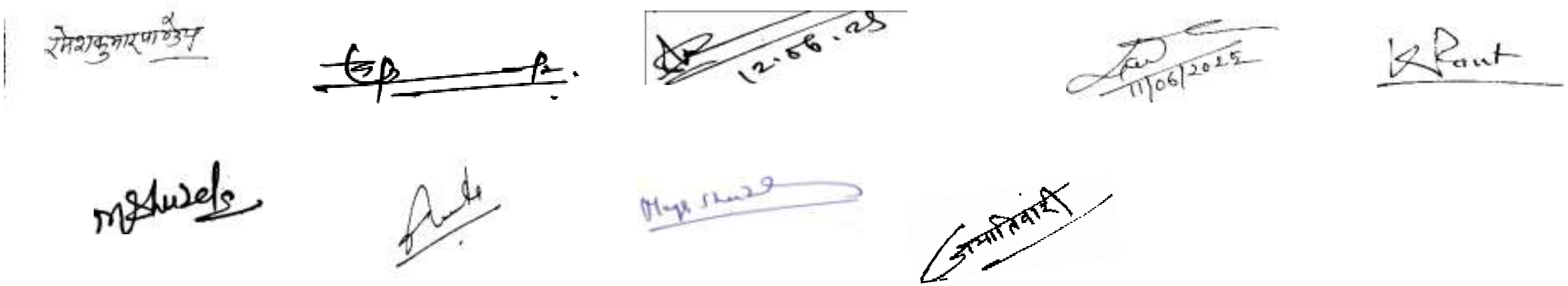

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
General Electives	4	3	1	0		Nil

Undergraduate CertificateHonours in Multidiscplinary Study		
Programme:- SANSKRIT	Year: I	Semester:II Paper- GE II
Course Code: GE 2	Course Title: **श्रीमद्भगवद्गीता में कर्मयोग**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी श्रीमद्भगवद्गीता के अन्तर्गत प्रतिपाद्य विषय से अवगत हो सकेंगे।
2. श्रीमद्भगवद्गीता के माध्यम से कर्मसिद्धान्त एवं अध्यात्मज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. मानवजीवन में ज्ञान के महत्त्व को आत्मसात करने में सक्षम होंगे।
4. विद्यार्थी कर्मयोग में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।

Unit	**Topic**
Unit I	महाभारत का संक्षिप्त परिचय।
Unit II	श्रीमद्भगवद्गीता के अध्यायों का संक्षिप्त परिचय।
Unit III	कर्मयोग का परिचय– तृतीय अध्याय के अन्तर्गत कर्मयोग ।
Unit IV	श्रीमद्भगवद्गीता के चतुर्थ अध्याय के अन्तर्गत कर्मयोग।

Suggested Reading:

1. श्रीमद्भगवद्गीता–गीता प्रेस गोरखपुर।
2. श्रीमद्भगवद्गीता हिन्दी टीकाकार–डॉ0 श्रीकृष्ण त्रिपाठी।
3. श्रीमद्भगवद्गीता (मधुसूदनी संस्कृत टीका)–श्री सनातन देव।
4. श्रीमद्भगवद्गीता–डॉ0 बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
5. गीताविज्ञानभाष्यम्–डॉ0 रामप्रकाश सारस्वत, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
6. गीतारहस्य भूमिका–पं0 बालगंगाधर तिलक, आनन्दाश्रम पूना।

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
Discipline Specific Course	4	3	1	0		Nil

Undergraduate Diploma/ Honours in Multidiscplinary Study		
Programme:- SANSKRIT	Year: II	Semester: III Paper- DSC
Course Code: DSC 3	Course Title: **संस्कृतसाहित्य, भारतीयसंस्कृति एवं व्याकरण**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय प्राप्त कर काव्य रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।
2. भारतीय संस्कृति के अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृति की विशेषताओं से परिचित होंगे जिससे उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होंगा।
3. भारतीय सास्कृतिक तत्त्वों एवं मूल्यों को आत्मसात् कर भारतीयता के गर्व बोध से युक्त उत्तम नागरिक बनेगें।
4. संस्कृत व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित हो सकेंगे।

Unit	Topic
Unit I	किरातार्जुनीयम्– प्रथम सर्ग–01 से 30 श्लोक पर्यन्त– महाकाव्य का परिचय, कवि परिचय, श्लोकों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।
Unit II	शिवराजविजयम्– प्रथम विराम का प्रथम निःश्वास, ग्रन्थ परिचय, कवि परिचय, व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।
Unit III	भारतीय संस्कृति– भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ, पंच महायज्ञ, संस्कार, पुरुषार्थ चतुष्ट्य, वर्णाश्रम व्यवस्था एवं शिक्षा व्यवस्था।
Unit IV	सन्धि प्रकरणम्–(लघुसिद्धान्तकौमुदी से) अच् सन्धि (सूत्रव्याख्या एवं सूत्र निर्देशपूर्वक सन्धि एवं सन्धि विग्रह)। हल् सन्धि (सूत्रव्याख्या एवं सूत्र निर्देशपूर्वक सन्धि एवं सन्धि विग्रह)। विसर्ग सन्धि (सूत्रव्याख्या एवं सूत्र निर्देशपूर्वक सन्धि एवं सन्धि विग्रह)।
Unit V	कारक प्रकरण, लघुसिद्धान्तकौमुदी से– सूत्रसंख्या– 2/3/46, 2/3/47, 1/4/49, 2/3/2, 1/4/51, 1/4/54, 1/4/42, 2/3/18, 1/4/32, 2/3/13, 2/3/16, 1/4/24, 2/3/28, 2/3/50, 1/4/45 एवं 2/3/36 सूत्रों की व्याख्या एवं उदाहरण।

Suggested Reading:

1– किरातार्जुनीयम् (भारविकृत्)– जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसी दास पब्लिकेशन, दिल्ली।

2– शिवराजविजयः (अम्बिकादत्त व्यास) प्रथम विराम–डॉ0 रमाशंकर मिश्र।
3– भारतीय संस्कृति–डॉ0 किरन टण्डन, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, नई दिल्ली।
4– भारतीय संस्कृति का इतिहास– डॉ0 नरेन्द्र देव सिंह शास्त्री।
5– भारतीय संस्कृति–डॉ0 इन्दुमती मिश्र।
6– आधुनिक गद्यसाहित्य का इतिहास–कलानाथ शास्त्री।
7– लघुसिद्धान्तकौमुदी (समास प्रकरण)–डॉ0 सुरेन्द्र देव शास्त्री।
8– लघुसिद्धान्तकौमदी (समास प्रकरण)–श्री धरानन्द शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती, बनारस।
9– शिवराजविजय–डॉ0 बाबूरामत्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
10– लघुसिद्धान्तकौमुदी–महेश सिंह कुशवाहा।
11–भीमसेन शास्त्री–

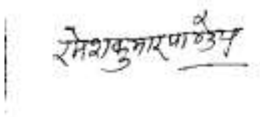

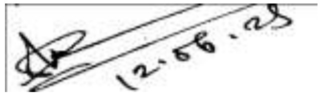
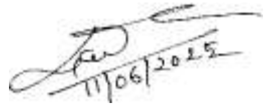

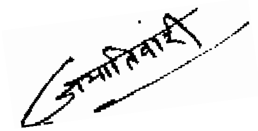

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
Discipline Specific Electives	4	3	1	0		Nil

Undergraduate Diploma/ Honours in Multidiscplinary Study			
Programme:- SANSKRIT		Year: II	Semester:III Paper-DSE II
Course Code: DSE 1	Course Title:**उपनिषद् एवं पुराण**		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. उपनिषद् का सामान्य परिचय एवं संख्या का अवबोध होगा।
2. उपनिषद् में वर्णित ज्ञान, कर्म एवं उपासना को समझ सकेगें।
3. पुराणों के परिचय से सृष्टि,सांस्कृतिक एवं सामाजिक चेतना से परिचित होंगे।
4. पुराणों के अध्ययन से के परिचय से कल्याण परक तथ्यों से परिचित होकर आत्मोत्कर्ष की अभिप्रेरणा प्राप्त होगी।
5. स्तोत्रकाव्य के रहस्य द्वारा सृष्टि कल्याणार्थ भाव विकसित होंगे।

Unit	**Topic**
Unit I	उपनिषदों का सामान्य परिचय– उपनिषद् का अर्थ, उपनिषदों की संख्या, उपनिषदों का प्रतिपाद्य विषय एवं महत्त्व।
Unit II	कठोपनिषद् : प्रथम अध्याय– प्रथमवल्ली – कठोपनिषद् का संक्षिप्त परिचय, महत्त्व, मन्त्रों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।
Unit III	कठोपनिषद् : प्रथम अध्याय– द्वितीयवल्ली– मन्त्रों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।
Unit IV	प्रमुख पुराणों का सामान्य परिचय– ब्रह्म पुराण, पद्म पुराण एवं महत्त्व।
Unit V	विष्णु पुराण, अग्नि पुराण, श्रीमद्भागवत पुराण परिचय एवं महत्त्व।

Suggested Reading:

1– कठोपनिषद्–सुरेन्द्र देव शास्त्री, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
2– पुराण विमर्श–पण्डित बलदेव उपाध्याय, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली।
3– श्रीमद्भागवद् पुराण–गीता प्रेस, गोरखपुर।

4– वैदिक साहित्य का इतिहास–डॉ0 कर्णसिंह–साहित्य भण्डार मेरठ।
5– पुराण तत्त्व मीमांसा–डॉ0 श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा साहित्य, वाराणसी।
6– श्रीमद्भागवतम्–सम्पा0 रामतेज पाण्डेय शास्त्री, चौखम्बा साहित्य, वाराणसी।
7– विष्णु पुराण–व्यासकृत, सम्पादक–डॉ0 राजेन्द्र लाल, नाग पब्लिशर्स, दिल्ली।
8– भागवतपुराण का सांस्कृतिक अध्ययन–लक्ष्मीशंकर उपाध्याय–साहित्य सहचर वाराणसी।
9– पुराणपर्यालोचन–समीक्षात्मक भाग, कृष्णमणि त्रिपठी, वाराणसी चौखम्बा, सुरभारतीय प्रकाशन 1975।
10– पुराणपर्यालोचन–गवेषणात्मक भाग, कृष्णमणि त्रिपाठी, वाराणसी चौखम्बा, सुरभारतीय प्रकाशन 1975।

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
General Electives	4	3	1	0		Nil

Undergraduate Diploma/ Honours in Multidiscplinary Study			
Programme:- SANSKRIT		Year: II	Semester:III Paper- GE II
Course Code: GE 3	Course Title: **संस्कृतसाहित्य में मानवीयमूल्य**		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी अपने प्राचीन नैतिक मूल्यों से सुपरिचित होंगे।
2. विद्यार्थी नैतिक मूल्यों से सम्बन्धित प्राचीन ग्रन्थों का अध्ययन करेंगे।
3. नैतिक मूल्यों के माध्यम से विद्यार्थी अपने कर्त्तव्यों एवं आचरणों से परिचित होंगे।
4. नैतिक मूल्यों को जानने के पश्चात् विद्यार्थी समाज में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने में सक्षम होंगे।
5. विद्यार्थी नैतिक मूल्यों के ज्ञान से आत्मविकास करने में सक्षम होंगे।

Unit	**Topic**
Unit I	संस्कृत साहित्य का परिचय, मानवीय मूल्य का अर्थ
Unit II	मानवीय मूल्यों का विश्लेषण– सत्य, अहिंसा, अस्तेय , इन्द्रियसंयम, श्रद्धाभव, तप, तितिक्षा,समभाव, सद्गुण,
Unit III	मानवीय मूल्यों का विश्लेषण– आत्मज्ञान,, आत्मभाव, आदर्शभाव,सदाचार, शुद्ध–आहारसद्कर्म, कर्तव्यनिष्ठा,।
Unit IV	मानवीय मूल्यों का विश्लेषण–ब्रह्मचर्य, वर्णाश्रम, धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष एवं मानवीय मूल्यों की प्रासङ्गिता।

Suggested Reading:

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास–आचार्य बलदेव उपाध्याय, वाराणसी चौक विश्वविद्यालय प्रकाशन दिल्ली।
2. वैदिक वाङमय का इतिहास–भगवद्दत्त, नई दिल्ली प्रणव प्रकाशन।
3. संस्कार प्रकाश, भवानी शंकर त्रिवेदी, लाल बहादुर शास्त्री केंद्रीय संस्कृत विद्यापीठ, दिल्ली।

4. महर्षि वाल्मीकिकृत—श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण—गोरखपुर गीता प्रेस।
5. महर्षि व्यासकृत—महाभारत—सम्पादक मण्डल वी0एस0 सूकथङकर, एडगर्टन, रघुवीर आदि पुणे, भाण्डाकर प्राच्य विद्यामंदिर 1933—1959।
6. धर्म शास्त्र का इतिहास, पांडुरंग वामन काणे, (अनु0) अर्जुन चौबे कश्यप, प्रथम भाग, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान लखनऊ, 1973।
7. वेदामृतम् आचार शिक्षा—डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसन्धान परिषद् ज्ञानपुर, भदोही।
8. ऋग्वेद में आचार सामग्री—सत्यप्रिय शास्त्री—श्री घूडमल प्रहलादकमार आर्य धमार्थ ट्रस्ट ब्यानिया पाडा,हिण्डौन सिटी राजस्थान।

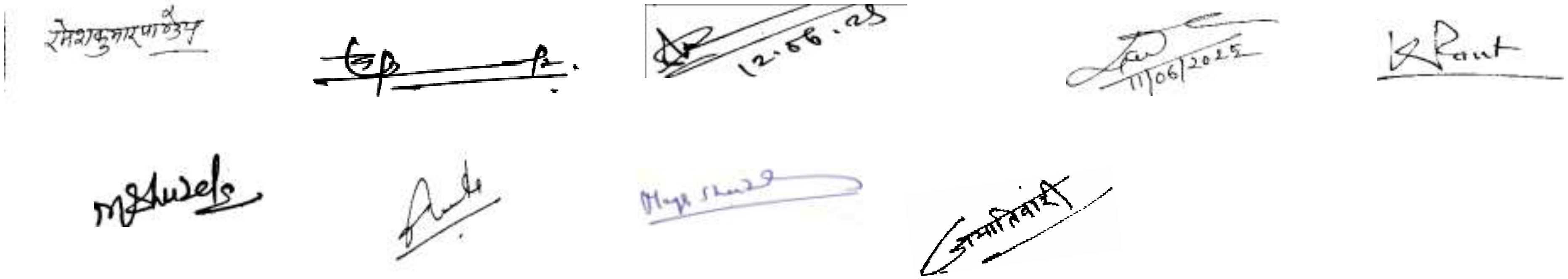

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
Discipline Specific Course	4	3	1	0		Nil

Undergraduate Diploma/ Honours in Multidiscplinary Study		
Programme:- SANSKRIT	Year: II	Semester: IV Paper- DSC
Course Code: DSC 4	Course Title: **संस्कृतसाहित्य, साहित्यकार परिचय एवं निबन्ध**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर पद्यसाहित्य एवं गद्यसाहित्य से सुपरिचित हो सकेंगे।
2. सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन से पद्यसाहित्य की सुगीतात्मकता का सौन्दर्य बोध कर सकेंगे।
3. सम्बन्धित साहित्य के माध्यम से उनका नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा।
4. प्राचीन एवं अर्वाचीन संस्कृत साहित्यकारों के अध्ययन से प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगे।
5. विद्यार्थियों में निबन्ध एवं अनुच्छेद लेखन क्षमता को विकास होगा।

Unit	Topic
Unit I	शिशुपालवधम्–प्रथम सर्ग–01 से 30 श्लोक पर्यन्त– संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त परिचय, महाकाव्य का संक्षिप्त परिचय, शिशुपालवधम् के सर्गों का संक्षिप्त परिचय, कृतिकार का परिचय, श्लोकों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।
Unit II	शुकनासोपदेश– गद्यसाहित्य का परिचय, कादम्बरी का संक्षिप्त परिचय, गद्यकार परिचय, शुकनासोपदेश के अनुच्छेदों की व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।
Unit III	प्राचीन संस्कृत साहित्यकारों का परिचय एवं संस्कृत साहित्य में उनका योगदान यथा– वाल्मीकि, व्यास, भास, कालिदास, भवभूति,हर्षवर्धन, बाणभट्ट, शूद्रक, दण्डी,श्रीहर्ष।
Unit IV	अर्वाचीन संस्कृत साहित्यकारों का परिचय एवं संस्कृत साहित्य में उनका योगदान यथा–पण्डित अम्बिकादत्त व्यास, पण्डिता क्षमाराव, आचार्य विश्वेश्वर पाण्डेय, विद्याभूषण श्रीकृष्ण चन्द्र जोशी, लोकरत्न पन्त– गुमानी।
Unit V	निबन्ध लेखन : संस्कृत भाषा में– संस्कृतभाषा, विद्या, उद्योगः, परोपकारः, स्त्रीशिक्षा, अहिंसा, सत्संगतिः, पर्यावरणम् , उत्तराखण्ड।

Suggested Reading:

1– शिशुपालवधम्–डॉ0 बाबूराम त्रिपाठी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।

2– कादम्बरी :–शुकनासोपदेश।

3– संस्कृत साहित्य का इतिहास–कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी।

4– संस्कृत साहित्य का इतिहास–आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।

5– आधुनिक संस्कृत साहित्य–डॉ0 हीरालाल शुक्ल।

6– संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास–राधाबल्लभ त्रिपाठी विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।

7– आधुनिक संस्कृत साहित्य सन्दर्भ सूची–राधावल्लभ त्रिपाठी राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।

8– आधुनिक संस्कृत काव्य की परिक्रमा–मंजू लता शर्मा, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली।

9– संस्कृत वाड्मय का बृहद् इतिहास–सप्तम खण्ड आधुनिक खण्ड, उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, उत्तर प्रदेश।

10– संस्कृतनिबन्धसुधा–डॉ0 राधेश्याम गंगवार, वैदिक पुस्तकालय समिति, देहरादून –2013।

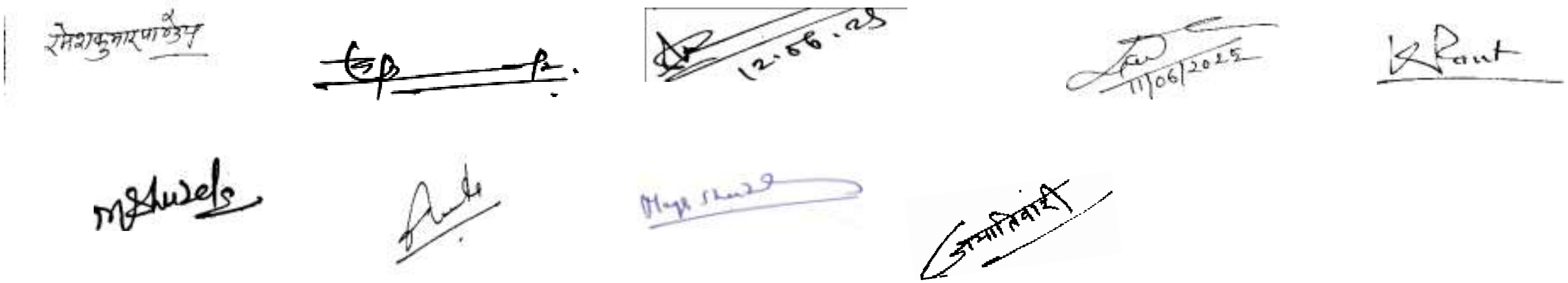

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
Discipline Specific Electives	4	3	1	0		Nil

Undergraduate Diploma/ Honours in Multidiscplinary Study			
Programme:- SANSKRIT		Year: II	Semester:IV Paper-DSE II
Course Code: DSE 2	Course Title:**स्मृति एवं स्तोत्रकाव्य**		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य की निधि से परिचित होंगे।
2. स्मृतिकाव्य का परिचय प्राप्त कर वेद में निहित ज्ञान को सहजता से समझ सकेंगे।
3. स्मृतिकाव्य के प्रतिपाद्यों से अवगत हो कर अपने जीवन को संस्कारित करने में सक्षम होंगे।
4. स्मृतिकाव्य के अध्ययन से आश्रम व्यवस्था, राजनीति एवं दायभाग के महत्व को समझ सकेंगे।
5. स्तोत्रकाव्य के अध्ययन से ज्ञानप्रद एवं आध्यात्मिक भावनाओं का विकास होगा।

Unit	Topic
Unit I	स्मृति का अर्थ, स्मृतिकाव्य का उद्भव एवं विकास, प्रमुखस्मृतिकार एवं स्मृतिग्रन्थ का प्रतिपाद्यविषय।
Unit II	मनुस्मृति– सप्तम अध्यायः वर्ण्यविषय एवं महत्त्व।
Unit III	याज्ञवल्क्य स्मृति व्यवहाराध्याय : वर्ण्यविषय एवं महत्त्व।
Unit IV	स्तोत्र का अर्थ एवं स्तोत्रकाव्य का परिचयएवं द्वादशज्योतिर्लिङ्गस्तोत्रम् का अर्थ एवं महत्त्व।
Unit V	गङ्गाष्टकम् (महर्षि–वाल्मीकिविरचित) श्लोकार्थ एवं महत्त्व।

Suggested Reading:

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास–वाचस्पति गौरोला–चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
2. स्तोत्ररत्नावली–गीताप्रेस गोरखपुर।
3. मनुस्मृति–कुल्लुकभट्टकृत–हिन्दी अनुवाद सहित सम्पादक–राजवीर शास्त्री दिल्ली, आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट 1985 वाराणसी चौखम्बा विद्याभवन।

4. याज्ञवल्क्यस्मृति–विज्ञानेश्वर प्रणीत मिताक्षरा टीका, उमेश चन्द्र कृत हिन्दी व्याख्या सहित, वाराणसी चौखम्बा संस्कृत संस्थान।
5. मनुस्मृति–श्री गणेश दत्त पाठक–श्री ठाकुर प्रसाद पुस्तक भण्डार, वाराणसी।
6. मनुस्मृति–उर्मिला रस्तोगी–जे0पी0 पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
7. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास–तृतीय खण्ड, पद्मविभूषण बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ।
8. प्राचीन भारतीय संस्कृति के मूलतत्व– डॉ0 श्रीभगवान शर्मा, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
9. बृहत्–स्तोत्र–रत्नाकर–सम्पादकः पण्डित पुनीत मिश्र,प्रकाशक रुपेश ठाकुर प्रसादप्रकाशन, वाराणसी–221001।

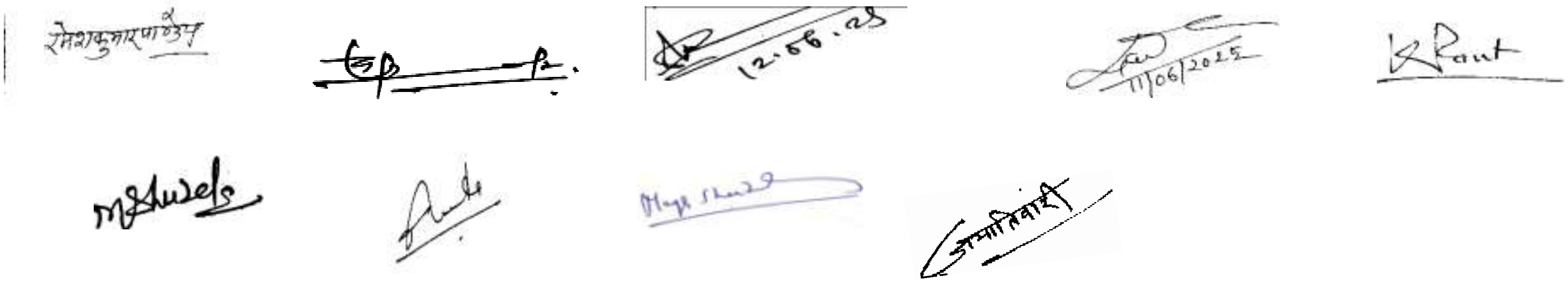

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
General Electives	4	3	1	0		Nil

Undergraduate Diploma/ Honours in Multidiscplinary Study		
Programme:- SANSKRIT	Year: II	Semester:IV Paper- GE II
Course Code: GE 4	Course Title: **संस्कृतसाहित्य में बोधिचित्त**	

Course Outcomes:

उद्देश्य–

1. विद्यार्थियों को बौद्धसाहित्य से परिचित कराना।
2. बौद्ध ग्रन्थों में निहित शिक्षाओं का अवबोध कराना।

अधिगम–

1. विद्यार्थी बौद्धसाहित्य के अध्ययन से भारतीय दर्शन की विविधताओं से परिचित होगें।
2. बौद्धसाहित्य में निहित नैतिक, सामाजिक, व्यावहारिक शिक्षा से भली भॉति परिचित होकर स्वयं को संयमित रखेगे एवं चारित्रिक उन्नति होगीं।

Unit	**Topic**
Unit I	पालिसाहित्य का विकास, परिचय एवं परम्परा।
Unit II	बौद्धग्रन्थ परिचय–धम्मपद, बुद्ध स्तुति, त्रिपिटक, सद्धर्म–पुण्डरीक, नामसंगीति।
Unit III	बोधिसत्व एवं बोधचित्त परिचय एवं परिभाषाएँ।
Unit IV	महायान एवं हीनयान का परिचय।

Suggested Reading:

1. सर्वदर्शनसंग्रह–माधवाचार्य, पं0 मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली।
2. त्रिपिटक–गौतमबुद्ध, पालिटेक्स सोसायटी, लन्दन तथा सारनाथ स्थित महाबोधि सोसायटी एवं संस्कृत वि0वि0 द्वारा प्रकाशित। ईस्टर्न बुक प्रकाशन। नई दिल्ली।
3. धम्मपद–गौतम बुद्ध, ईस्टर्न बुक प्रकाशन। नई दिल्ली।
4. बुद्धस्तुति–(संस्कृत कविता) प्रो0 सी0 उपेन्द्र राव, स्वप्रकाशन–फ्नोम पेन्ह, कम्बोडिया 2016।

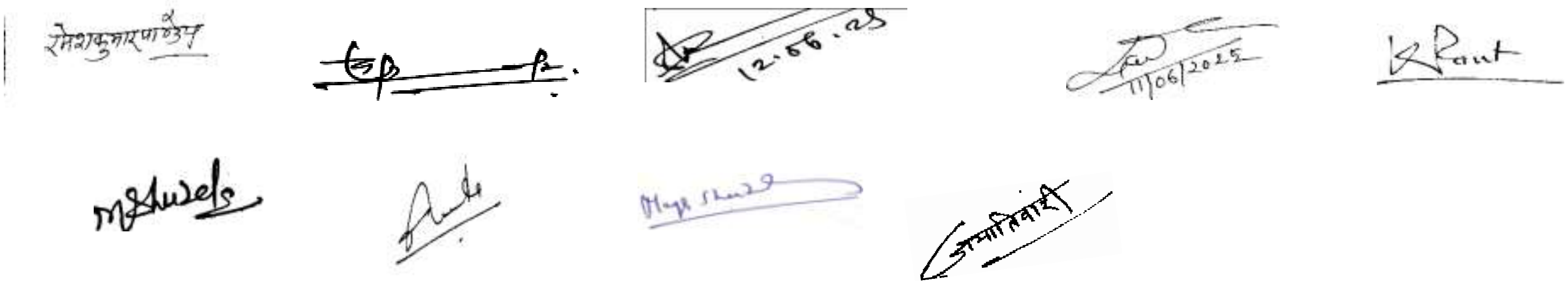

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
Discipline Specific Course	4	3	1	0		Nil

Bachelor of in Multidisciplinary Study			
Programme:- SANSKRIT		Year: III	Semester: V Paper- DSC
Course Code: DSC 5	Course Title: **काव्यशास्त्र, दर्शन एवं व्याकरण**		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्यशास्त्रीय तत्त्वों को समझने में सक्षम होंगे।
2. भारतीय दार्शनिक तत्त्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
3. दार्शनिक तत्त्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा।
4. व्याकरणशास्त्र के ज्ञान के माध्यम से शुद्ध वाक्य विन्यास कौशल का विकास हो सकेगा।

Unit	Topic
Unit I	साहित्यदर्पण का संक्षिप्त परिचय, आचार्य विश्वनाथ का परिचय, षष्ठः परिच्छेदः– काव्य के अन्यनिमित्तक भेद : दृश्य काव्य, कारिका 1 से 19 कारिका पर्यन्त–कारिकाओं का अर्थ एवं टिप्पणी।
Unit II	साहित्यदर्पणः– षष्ठः परिच्छेदः– श्रव्य काव्य, कारिका 313 से 337 कारिका पर्यन्त– कारिकाओं का अर्थ, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।
Unit III	तर्कसंग्रह, अन्नंभट्ट, प्रारम्भ से प्रत्यक्ष प्रमाण पर्यन्त– ग्रन्थ का परिचय, रचनाकार का परिचय, व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।
Unit IV	तर्कसंग्रह, अन्नंभट्ट, अनुमान प्रमाण से समाप्ति पर्यन्त– व्याख्या, टिप्पणी एवं समीक्षात्मक प्रश्न।
Unit V	व्याकरण– प्रत्यय (कृदन्त) तव्यत्, अनीयर्, ण्वुल्, तृच्, क्त, क्तवतु, क्तिन्, तुमुन् एवं घञ्। (लघुसिद्धान्तकौमुदी)– प्रत्यय परिचय, सूत्रों की व्याख्या, एवं उदाहरण।

Suggested Reading:

1. काव्यालंकार–शिवनारायण शास्त्री, परिमल प्रकाशन।

2. साहित्यदर्पण–प्रो0 सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।
3. तर्कसंग्रह (अन्नम् भट्ट)– डॉ0 चन्द्रशेखर द्विवेदी।
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी–कृदन्त प्रकरण– महेश सिंह कुशवाहा।
5. लघुसिद्धान्तकौमुदी–श्री धरानन्द शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती, बनारस।
6. लघुसिद्धान्तकौमुदी–डॉ0 सुरेन्द्र देव शास्त्री।
7. लघुसिद्धान्तकौमुदी–वरदराज, भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1–6 भाग)।
8. लघुसिद्धान्तकौमुदी–गोविंद प्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।
9. लघुसिद्धान्तकौमुदी–डॉ0 उमेश चन्द्र पाण्डे, चौखम्बा प्रकाशन।
10. कृदन्त प्रकरणम्–डॉ0 लज्जा भट्ट– राधा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
11. काव्यदीपिका–कान्तिचन्द्र भाट्टाचार्य– मोती लाल बनारसी दास।
12. साहित्यदर्पण–लक्ष्मी टीका– चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन।

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
Discipline Specific Electives	4	3	1	0		Nil

Bachelor of in Multidisciplinary Study			
Programme:- SANSKRIT		Year: III	Semester: V Paper-DSE II
Course Code: DSE 3	Course Title:**भारतीय दर्शन**		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी दर्शन का अर्थ भारतीय परिपेक्ष्य में समझ सकेंगे।
2. आस्तिक एवं नास्तिक दर्शनों की परिभाषा एवं ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी दर्शन के मौलिक सिद्धान्तों से सुपरिचित हो सकेंगे।
4. विद्यार्थी दर्शन के माध्यम से संपूर्ण ब्रह्माण्ड एवं मानव जीवन के वास्तविक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

Unit	**Topic**
Unit I	आस्तिक दर्शनों का सामान्य परिचय।
Unit II	आस्तिक दर्शनों में आत्मा एवं परमात्मा (ईश्वर), कार्यकारणवाद।
Unit III	आस्तिक दर्शनों में मोक्ष, कर्म एवं पुर्नजन्म, प्रमाण।
Unit IV	नास्तिक दर्शनों का सामान्य परिचय।
Unit V	बौद्ध– (आर्यसत्य, अष्टांगिक मार्ग, प्रतीत्यसमुत्पादवाद) जैन– (स्याद्वाद एवं अनेकान्तवाद)।

Suggested Reading:

1. भारतीय दर्शन–आचार्य बलदेव उपाध्याय, वाराणसी शारदा मन्दिर 1971।
2. दर्शन और जीवन–सम्पूर्णानन्द, परिपूर्णानन्द वर्मा कानपुर– 1941।

3. दर्शन का प्रयोजन–डॉ0 भगवान दास, बनारस ज्ञान मण्डल लिमिटेड द्वितीय संस्करण।
4. दर्शन दिग्दर्शन–राहुल सांकृत्यायन, किताब महल इलाहाबाद।
5. भारतीय दर्शन : विशद विवेचन–डॉ0 गीता शुक्ला– युवराज पब्लिकेशन, आगरा।
6. भारतीय दर्शन का इतिहास–एस0के0 दास।
7. भारतीय दर्शन–डॉ0 उमेश मिश्र, लखनऊ हिन्दी समीति ग्रन्थमाला।
8. भारतीय दर्शन की रूपरेखा–हरेन्द्र प्रसाद सिन्हा, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली।
9. बुद्धस्तुति– प्रो0सी0 उपेन्द्र राव, लेखक द्वारा प्रकाशित, नोमपेन्ह,कम्बोडिया
10.बौद्धधर्म दर्शन–आचार्य नरेन्द्र देव, पटना बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् 1971।
11. चार्वाक दर्शन–आचार्य आनन्द झा, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ 1969।
12. जैन धर्मदर्शनः एक अनुशीलन–डॉ0 राजेन्द्र मुनि, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
13. भारतीय दर्शन में भाषातत्त्व–डॉ0 सोमवीर, परिमल प्रकाशन, दिल्ली।

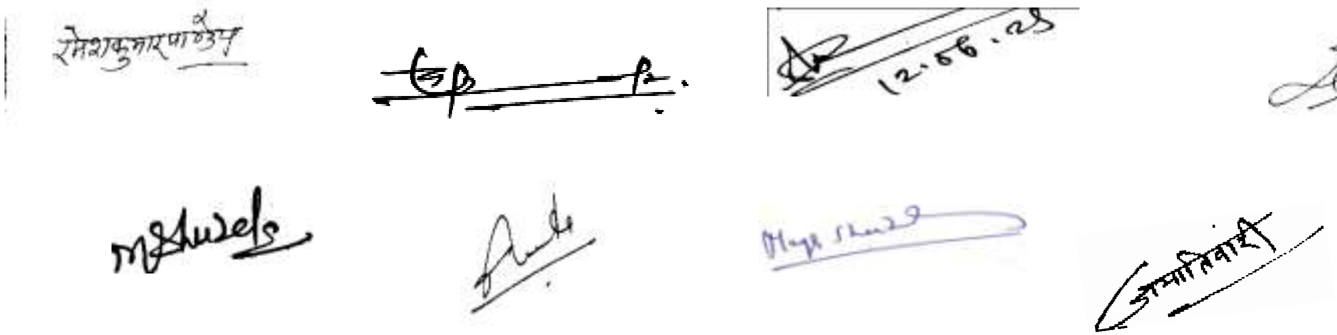

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
General Electives	4	3	1	0		Nil

Bachelor of in Multidisciplinary Study		
Programme:- SANSKRIT	Year: III	Semester: V Paper- GE II
Course Code: GE 5	Course Title: **संस्कृतसाहित्य में राष्ट्रीय चेतना**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी संस्कृतसाहित्य में वर्णित राष्ट्रीय चेतना से सुपरिचित होंगे।
2. संस्कृतसाहित्य एवं राष्ट्रीय एकता के महत्त्व को जान सकेंगे।
3. विद्यार्थी प्रत्येक कार्य को राष्ट्रीयभाव से सम्पन्न करेंगें जिससे स्वयं की और देश की उन्नति होगी।

Unit	Topic
Unit I	वैदिक–साहित्य में राष्ट्र की अवधारणा, राष्ट्र का संस्कृतपरक अर्थ। सप्तांग राज्य सिद्धान्त–कौटिल्य अर्थशास्त्र अध्याय 6 के आधार पर।
Unit II	राष्ट्रीयता के कारक तत्त्व, राष्ट्रीय प्रतीक राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, राष्ट्रध्वज, राष्ट्रीय चिह्न। भूमिसूक्त–अथर्ववेद 12/11–12। शुक्लयजुर्वेद–राष्ट्रीयता के तत्त्व 22/22। शतपथब्राह्म–राष्ट्रबोधन का महत्त्व।
Unit III	वाल्मीकि रामायण में राष्ट्र की भौगोलिकता किष्किन्धाकाण्ड सर्ग 46–48, महाभारत में जनांकिकीय (राजनीतिक और सामाजिक) एकीकरण (शान्ति पर्व 65/13–22)।
Unit IV	आधुनिकसंस्कृतसाहित्य में राष्ट्रीयचिन्तन–भारतविजयम् नाटक– मथुरा प्रसाददीक्षित, सत्याग्रहगीता– पण्डिता क्षमाराव, गाँधीचरितम्–चारुदेव शास्त्री। देशोऽयं कुरुते प्रोन्नतिम्– प्रो0 हरिनारायण दीक्षित, राष्ट्रंभवति सर्वस्वम्–डॉ0 कीर्ति वल्लभ शक्टा, चन्द्रगुप्तचरितम्– प्रो0 राधेश्याम गंगवार।

Suggested Reading:

1. भारतीय संस्कृति के आधार–अदिति कार्यालय श्री अरविन्द आश्रम, पाण्डीचेरी।
2. संस्कृत साहित्य में राष्ट्रीय भावना–प्रो0 हरिनारायण दीक्षित–ईस्टर्न बुक लिंक, दिल्ली।

3. ऋग्वेद 3.53.123.3.53.24.7.33.6), भूमिसूक्त अथर्व 12.1.1—12।
4. शुक्ल यजुर्वेद में राष्ट्रीयता के तत्त्व —22.22।
5. शतपथ ब्राह्मण 9.4.1.1—5।
6. वाल्मीकि रामायण में—किष्किन्धाकाण्ड सर्ग 46—48)—गीता प्रेस गोरखपुर।
7. महाभारत शान्तिपर्व 65 / 13—22—गीता प्रेस गोरखपुर।
8. वेद में राष्ट्र एवं राष्ट्रीयता की अवधारणा—प्रो0 ब्रज विहारी चौबे, संज्ञान वैदिक अध्ययन एवं शोधकेन्द्र— होशियारपुर।
9. संस्कृत और राष्ट्र की एकता—सम्पादक राधावल्लभ त्रिपाठी,अक्षयवट प्रकाशन,इलाहाबाद।
10. पुराणों में राष्ट्रीय एकता— पुष्पेन्दु कुमार दिल्ली नाग पब्लिशर्स।
11. संस्कृतवाङ्मय में राष्ट्रीय चेतना—डॉ0 विजय कुमार कर्ण, हिन्दुस्तान एकेडमी प्रयागराज।
12. राष्ट्रगीताञ्जलि—डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनुसंधान परिषद् ज्ञानपुर, भदोई उ0प्र0।

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
IAPC	2	3	1	0		Nil

Bachelor of in Multidisciplinary Study		
Programme:- SANSKRIT	Year: III	Semester: V Paper- IAPC
Course Code: IAPC 1	Course Title: **जनपद में संस्कृतभाषा का प्रभावः सर्वेक्षण**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी जनपद के संस्कृत साहित्यकारों से सुपरिचित हो सकेगे।
2. विद्यार्थी साहित्यकारों के साहित्य से नये कार्यों को करने के लिए प्रेरित होंगे।
3. विद्यार्थियों की रचनात्मक शैली की वृद्धि होगी।
4. विद्यार्थी संस्कृत साहित्य पठन–पाठन में रूचि लेगें।
5. विद्यार्थी दैनिक जीवन में संस्कृतभाषा के महत्त्व से सुपरिचित होगें।

Unit	**Topic**
Unit I	शोधसर्वेक्षण की विधि– उद्देश्य एवं महत्त्व।
Unit II	शोधप्रविधि– विभिन्न शोधप्रविधियॉएवं उनकी उपादेयता।
Unit III	जनपदनैनीताल एवं उधमसिंहनगर के संस्कृत साहित्यकारों का सर्वेक्षण।
Unit IV	जनपदनैनीताल एवं उधमसिंहनगर के साहित्य का अध्ययन एवं रचनात्मक कार्य का सर्वेक्षण।

Suggested Reading:

1–संस्कृतसाहित्य का इतिहास–पद्मविभूषण डॉ0 बलदेव उपाध्याय–शारदा मन्दिर, वाराणसी।
2–संस्कृतशास्त्रों का इतिहास–पद्मविभूषण डॉ0 बलदेव उपाध्यााय,शारदा मन्दिर, वाराणसी।
3–भाषाविज्ञान–डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4–प्राचीन भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक भूमिका–रामजी उपाध्याय,वाराणसी।
5–लोकसाहित्य एवं संस्कृति–डॉ0 देवसिंह पोखरिया।
6–वैदिक साहित्य और संस्कृति– वाचस्पति गैरोला,चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली। (प्रथम संस्करण 1989)।
7–प्राचीन भारतीयसंस्कृति के आधार–वीरेन्द्र सिंह, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद (प्रथम संस्करण 1986)।
8–उत्तराखण्ड के संस्कृति साहित्यकार–अतीत से वर्तमान तक–प्रो0 शालिमा तबस्सुम,परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली।

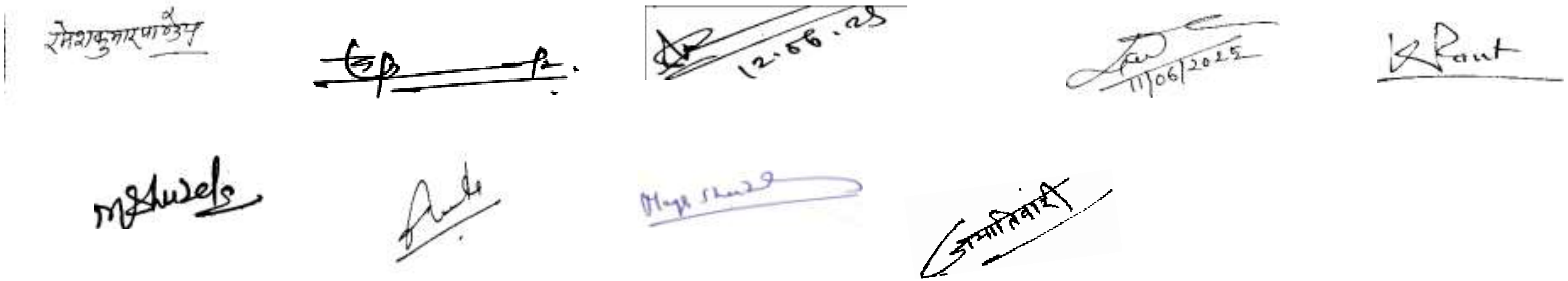

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
Discipline Specific Course	4	3	1	0		Nil

Bachelor of in Multidisciplinary Study		
Programme:- SANSKRIT	Year: IV	Semester: VI Paper- DSC
Course Code: DSC 6	Course Title: **वैदिकवाङ्गमय का अध्ययन**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. वैदिकवाङ्गमय की समृद्ध परम्परा को समझनेमें पर्याप्त सहायक होगा।
2. वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का उदात्तीकरण होगा।
3. वैदिकसूक्तों के माध्यम से विद्यार्थी को तत्कालीन अध्यात्म, समाज एवं राष्ट्र का दिग्दर्शन होगा।
4. वेदाङ्ग के सम्यक्बोधसे सर्वकल्याणार्थ उनका उपयोग करेगें।

Unit	Topic
Unit I	ऋग्वेद– अग्निसूक्त– 1/1, विष्णुसूक्त– 1/154, पुरुषसूक्त– 10/90, वैदिकसाहित्य का संक्षिप्त परिचय, महत्त्व, सूक्तों का संक्षिप्त परिचय, व्याख्या एवं टिप्पणी।
Unit II	यजुर्वेद– शिवसंकल्पसूक्त– सूक्त का संक्षिप्त परिचय, व्याख्या एवं टिप्पणी।
Unit III	अथर्ववेद– पृथिवीसूक्त (द्वादशकाण्ड) 1 से 10 मन्त्र पर्यन्त– सूक्त का संक्षिप्त परिचय, व्याख्या एवं टिप्पणी।
Unit IV	संहिता, ब्राह्मण एवं आरण्यक ग्रन्थ परिचय– ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद एवं अथर्ववेद का सामान्य परिचय, ब्राह्मण एवं आरण्यक का सामान्य परिचय एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इनकी प्रासङ्गिकता।
Unit V	वेदाङ्ग–शिक्षा, कल्प, व्याकरण, ज्योतिष, छन्द एवं निरुक्त का सामान्य परिचय एवं में इनकी प्रासङ्गिकता।

Suggested Reading:

1– वैदिकसूक्त चयनिका–डॉ0 किरण टण्डन, डॉ0 जया तिवारी, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी ।

2–ऋक्सूक्त मञ्जूषा–प्रो0 महावीर अग्रवाल, सत्यप्रकाशन, नई दिल्ली।

3– वैदिकसूक्त संकलन–विजय शंकर पाण्डे।

4– वैदिकसूक्त संग्रह–अयोध्या प्रसाद सिंह।

5– वैदिकसाहित्य का इतिहास–डॉ0 कर्णसिंह,साहित्य भण्डार मेरठ–2013।

6– वैदिकसाहित्य और संस्कृति–डॉ0 ओम प्रकाश पाण्डे।

7– शिवसंकल्पसूक्तम्–संस्कृत हिन्दी टीका सहित–डॉ0 त्रिलोकी नाथ द्विवेदी, चौखम्बा साहित्य प्रकाशन, वाराणसी।

8–न्यूवैदिक सलेक्शन– भाग–1, 2 सम्पादक–ब्रजविहारी चौबे (तैलंग एवं चौबे)

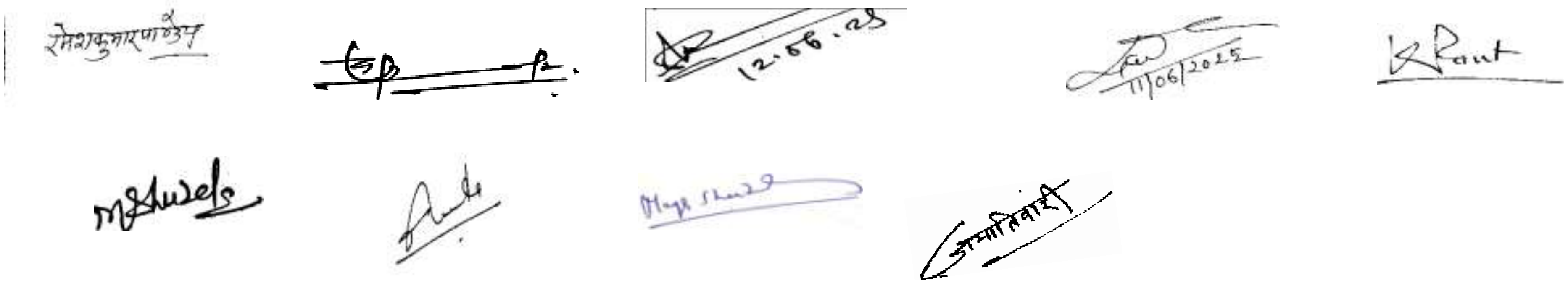

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
Discipline Specific Electives	4	3	1	0		Nil

Bachelor of in Multidisciplinary Study			
Programme:- SANSKRIT		Year: III	Semester: IV Paper-DSE II
Course Code: DSE 4	Course Title:**उपनिषद् साहित्य**		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी उपनिषद् का अर्थ समझ सकेंगे।
2. उपनिषदों की दार्शनिक पृष्ठभूमि से परिचित हो सकेंगे।
3. उपनिषदों में प्राप्त होने वाली नैतिक शिक्षा से अवगत होंगे।
4. विद्यार्थी उपनिषद् ज्ञान के माध्यम से संपूर्ण ब्रह्माण्ड एवं मानव जीवन के वास्तविक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

Unit	**Topic**
Unit I	प्रमुख ग्यारह उपनिषदों का सामान्य परिचय।
Unit II	ईशोपनिषद्।
Unit III	तैत्तिरीयोपनिषद् (शिक्षावल्ली)।
Unit IV	तैत्तिरीयोपनिषद् (भृगुवल्ली)।
Unit V	केन उपनिषद्।

Suggested Reading:

1. उपनिषदों का सामान्य परिचय–डॉ0 वेदवती वैदिक।
2. तैत्तिरीयोपनिषद्–गीता प्रेस गोरखपुर।
3. केन उपनिषद्–गीता प्रेस गोरखपुर।

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
General Electives	4	3	1	0		Nil

Bachelor of in Multidisciplinary Study			
Programme:- SANSKRIT		Year: III	Semester: VI Paper- GE II
Course Code: GE 6	Course Title:**स्वास्थ्य–विज्ञान**		

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि	
	1. भारतीय प्राच्य ज्ञान की अद्भूत देन आयुर्वेद का सामान्य ज्ञान प्राप्त करेंगे। 2. मानव स्वास्थ्य एवं रोग निवारण हेतु आयुर्वेद के मूलभूत सिद्धान्तों से सुपरिचित होंगे। 3. वर्तमान समय में आयुर्वेद की आवश्यकता एवं महत्त्व से अवगत होते हुए मानव कल्याणार्थ अनुप्रयोग हेतु प्रेरित होंगे। 4. अष्टांग आयुर्वेद के ज्ञान द्वारा स्वस्थ जीवन शैली से सुपरिचित होंगे।
Unit	**Topic**
Unit I	आयुर्वेद का सामान्य परिचय, उद्भव, विकास एवं मूलभूत सिद्धान्त, आयुर्वेद के प्रमुख आचार्य– चरक, सुश्रुत, वाग्भट एवं माधव।
Unit II	चरक संहिता एवं अष्टांग आयुर्वेद की उपादेयता।
Unit III	आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास।

Unit IV	आयुर्वेद की वर्तमान काल में उपयोगिता एवं महत्त्व।

Suggested Reading:

1. चरक संहिता–ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2005।
2. अष्टांग हृदयम–वाग्भट, ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्टान दिल्ली, 2014।
3. आयुर्वेद का बृहद् इतिहास–अत्रिदेव विद्यालंकार, हिन्दी समिति, उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ, द्वितीय संस्करण, 1976।
4. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास–बलदेव उपाध्याय, (सप्तदश खण्ड),उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ, 2006।
5. आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास–आचार्य प्रियव्रत शर्मा, चौखम्बा वाराणसी।
6. आयुर्वेद इतिहास एवं परिचय–विद्याधर शुक्ल एवं रवि दत्त त्रिपाठी,चौखम्बा वाराणसी।
7. संस्कृत साहित्य में आयुर्वेद–अत्रिदेव विद्यालंकार, भारतीय ज्ञानपीठ काशी, प्रथम संस्करण, 1956।
8. वेदों में आयुर्वेद–डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, विश्वभारती अनसंधान परिषद् ज्ञानपुर, भदोही, 1993।

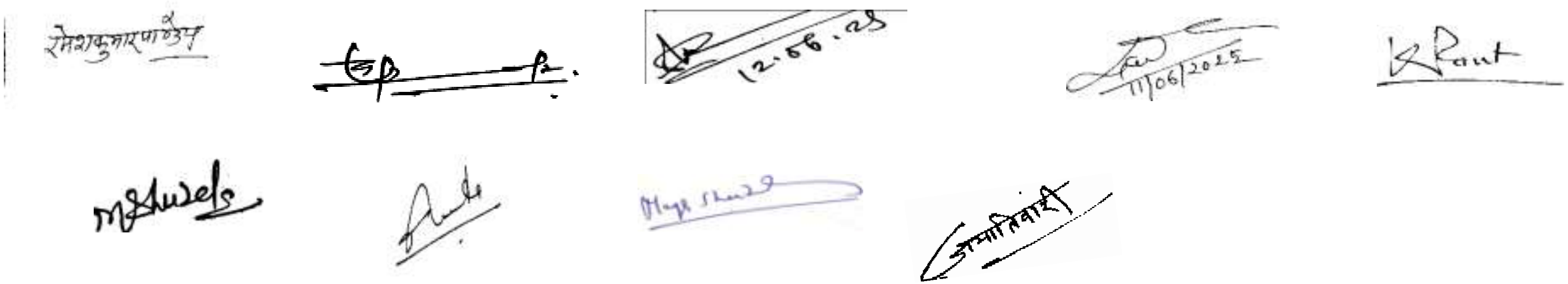

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS- 60

Course Title	Credits	Credit Distribution of the Course			Eligibility Criteria	Pre-Requisite of the Course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
IAPC	4	3	1	0		Nil

Bachelor of in Multidisciplinary Study		
Programme:- SANSKRIT	Year: III	Semester: VI Paper- IAPC
Course Code: IAPC 2	Course Title:**पाण्डुलिपि विज्ञान**	

Course Outcomes: अधिगम उपलब्धि

1. विद्यार्थी प्राचीन लिपियों से अवगत होंगे।
2. पाण्डुलिपि विज्ञान के स्वरूप एवं पाण्डुलिपि लेखन के आधार तथा उपकरण से परिचित होंगे।
3. विद्यार्थी पाण्डुलिपि के ज्ञान से पाण्डुलिपियों को सुरक्षित एवं अन्य लिपियों में परिवर्तित करने में सक्षम होंगे।

Unit	**Topic**
Unit I	पाण्डुलिपि विज्ञान– स्वरूप एवं क्षेत्र, लिपिविज्ञान एवं उसके सहायक शास्त्र, लिपि शब्द का अर्थ एवं उसका क्रमिक विकास लिपियों का स्वरूप, पाण्डुलिपि का अर्थ एवं क्रमिक विकास।
Unit II	पाण्डुलिपि–लेखन : आधार एवं उपकरण, पाण्डुलिपि लेखन के आधार, पाण्डुलिपि लेखन के उपकरण एवं प्रकार।

Unit III	पाण्डुलिपियों की सुरक्षा एवं लिप्यन्तरण– पाण्डुलिपियों के सुरक्षा के उपाय, प्रमुख पाण्डुलिपियों का परिचय, लिप्यन्तरण, संस्कृत वर्णमाला एवं लेखनचिह्न अन्ताराष्ट्रिय लेखन चिह्न।
Unit III	पाठालोचन– पाठालोचन के विविध सिद्धान्त, पाठदोष : प्रकार एवं कारण, वंशवृक्ष निर्माण।

Suggested Reading:

1. भारतीय संस्कृति–प्रो0 किरण टण्डन, ईस्टन लिंक बुक, दिल्ली।
2. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास–पं0 बलदेव उपाध्याय, उत्तर प्रदेश अकादमीय लखनऊ।
3. शोधप्रविधि एवं पाण्डुलिपि विज्ञान :–प्रो0 अभिराज राजेन्द्र मिश्र, डॉ0 (श्रीमती) राजेश कुमारी मिश्र, वैजयन्त प्रकाशन इलाहाबाद।
4. पाण्डुलिपि विज्ञान :–डॉ0 रामगोपाल शर्मा दिनेश।
5. पाण्डुलिपि विज्ञान :–डॉ0 सत्येन्द्र।
6. प्राचीन कला एवं संस्कृति–डॉ0 राजकिशोर सिंह, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।